भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2469

दिनांक 24.03.2022 को उत्तर देने के लिए

यूक्रेन में हुई भारतीयों की मौतें

2469. श्री वाइकोः

श्रीमती छाया वर्माः

चौधरी सुखराम सिंह यादवः

श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) यूक्रेन में युद्ध के कारण अब तक कितने भारतीय विद्यार्थी/भारतीय नागरिक मारे गए या घायल हुए, ऑपरेशन गंगा के तहत अब तक कितनों को निकाला जा चुका है और कितने अभी भी वहां फंसे हैं जिन्हें निकाला जाना बाकी है, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले यूक्रेन को छोड़ने के लिए भारतीयों को जारी की गई परामर्शी की तारीखों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यूक्रेन स्थित सुमि विश्वविद्यालय के भारतीय मूल के विद्यार्थी यूक्रेन से बाहर निकलने के लिए यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास से मदद मांग रहे हैं परंतु दूतावास के कर्मचारियों ने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी; और

(घ) यदि हां, तो दोषी अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्रीमती मीनाक्षी लेखी)

(क) खार्किव मेडिकल यूनिवर्सिटी में मेडिकल के अंतिम वर्ष के एक छात्र श्री नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर ने खार्किव में अपनी जान गंवा दी। एक अन्य भारतीय नागरिक, श्री हरजोत सिंह, जो कीव से बाहर जाते समय

गोली लगने के कारण घायल हो गए थे को कीव में चिकित्सा सुविधा दी गई और बाद में यूक्रेन से सुरक्षित निकाल लिया गया तथा एक डॉक्टर की देखरेख में भारत वापस लाया गया।

फरवरी 2022 से अब तक कुल 22,500 नागरिकों ने यूक्रेन छोड़ दिया है जिनमें से 26 फरवरी -11 मार्च, 2022 तक चले संघर्ष के दौरान भारत के प्रयासों के फलस्वरूप 18,500 से अधिक भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकाला लिया गया। लगभग 40-50 भारतीय नागरिक अभी भी यूक्रेन में हैं, जिनमें से कुछ ही भारत लौटने के इच्छुक हैं। भारतीय राजदूतावास की ओर से उनको वापसी की सुविधा दी जा रही है।

(ख) कीव स्थित भारतीय राजदूतावास ने 15 फरवरी, 2022 को एक परामर्शी जारी की जिसमें उन भारतीय नागरिक को अस्थायी रूप से यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी गई थी जिनका वहाँ रहना जरूरी नहीं है। इसमें भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की यात्रा न करने या यूक्रेन के भीतर अनावश्यक आवाजाही न करने की भी सलाह दी गई थी। इसके अलावा 20 फरवरी और 22 फरवरी को भी परामर्शी जारी की गई थी जिसमें छात्रों को यूक्रेन छोड़ने पर जोर दिया गया था।

(ग) और (घ) कीव स्थित राजदूतावास और विदेश मंत्रालय के नियंत्रण कक्ष में तैनात अधिकारी सुमी विश्वविद्यालय में हमारे छात्रों के साथ तब तक नियमित संपर्क में थे जब तक कि उन्हें सफलतापूर्वक निकाल नहीं लिया गया। निकासी प्रक्रिया को संभव बनाने के लिए राजदूतावास और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने सूमी क्षेत्र की यात्रा की।

***